महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.कॉम. भाग-तीन | पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१५-२०१६ | विषय : ग्रुप 'डी'

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	ग्रुप-प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
16.07.2015	1	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन विचारधारा	विपणन की परम्परागत एंव आधुनिक विचारधारा
20.07.2015	2	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन विचारधारा	सामजिक विपणन, विपणन बनाम विक्रय
21.07.2015	3	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन विचारधारा	विपणन का स्वभाव एंव क्षेत्र
22.07.2015	1	डॉ0 राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	वैयक्तिक विक्रय	अर्थ, परिभाषा, महत्व एंव सीमाएं
23.07.2015	2	डॉ0 राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	वैयक्तिक विक्रय	विक्रय प्रविधि
24.07.2015				कक्षाध्यापन	
25.07.2015	4	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन विचारधारा	विपणन की भूमिका
27.07.2015	5	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन विचारधारा	विपणन के कार्य
28.07.2015	6	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन मिश्रण	अर्थ तथा विपणन मिश्रण को प्रभावित करने वाली
					शक्तियां
29.07.2015	3	डॉ0 राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	वैयक्तिक विक्रय	विक्रय प्रविधि
30.07.2015	4	डॉ0 राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	संचार प्रक्रिया के आधार	विज्ञापन संचार से आशय तथा उद्देश्य संचार प्रक्रिया के
					आधार
31.07.2015				कक्षाध्यापन	
01.08.2015		श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन मिश्रण	विपणन मिश्रण के तत्व
03.08.2015	8	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	विपणन मिश्रण	विपणन वातावरण का अर्थ तथ प्रकार
04.08.2015	9	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	उपभोक्ता व्यवहार का अर्थ, स्वभाव एंव क्षेत्र
05.08.2015	5	डॉ0 राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	संचार प्रक्रिया के आधार	प्रतिपुष्टि अर्थ, प्रक्रिया व महत्व,सुझाव
06.08.2015	6	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	संचार प्रक्रिया के आधार	श्रोता विश्लेषण अर्थ, प्रक्रिया
07.08.2015				कक्षाध्यापन	
08.08.2015		श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	उपभोक्ता व्यवहार का महत्व
10.08.2015	11	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	विपणन में उपभोक्ता की भूमिका, उपभोक्ता का
					मनोविज्ञान
11.08.2015	12	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	क्रय प्ररेणा से अर्थ,क्रय प्रेरणा का वर्गीकरण
12.08.2015	7	श्री राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन और संचार संमिश्र	विज्ञापन संचार संमिश्र का अर्थ व प्रभावित करने वाले
					घटक
13.08.2015	8	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन और संचार संमिश्र	संचार संमिश्र निर्धारण प्रक्रिया
17.08.2015				कक्षाध्यापन	
18.08.2015	13	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	विपणन के क्रय प्रेरणाओं का महत्व
20.08.2015	14	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	क्रय प्रेरणाओं के निर्धारण में कठिनाइयां

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.कॉम. भाग-तीन	पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१५-२०१६	विषय : ग्रुप 'डी'

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	ग्रुप-प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
21.08.2015	15	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	क्रय प्रेरणाओं के निर्धारण में कठिनाइयां
22.08.2015	9	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	विज्ञापन का अर्थ एंव प्रकृति
23.08.2015	10	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	विज्ञापन के उद्देश्य एवं कार्य
24.08.2015				मासिक मूल्यांकन	
25.08.2015	16	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन की विधि
26.08.2015	17	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	उपभोक्ता व्यवहार	प्रेरणा अनुसंधान की सीमाएं
27.08.2015	18	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	बाजार विभक्तीकरण	बाजार विभक्तीकरण का अर्थ एंव प्रकृति
31.08.2015	11	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	विज्ञापन के प्रकार
01.09.2015	12	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	विज्ञापन का महत्व
03.09.2015				कक्षाध्यापन	
04.09.2015	19	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	बाजार विभक्तीकरण	उद्देश्य
07.09.2015	20	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु	वस्तु विचारधारा
08.09.2015	21	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु	माल या वस्तुओं का वर्गीकरण
09.09.2015	13	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	विज्ञापन की आलोचना
10.09.2015	14	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	आलोचनाओं का खण्डन
11.09.2015				कक्षाध्यापन	
12.09.2015	22	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु	जीवन चक्र अवधारणा
14.09.2015	23	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु नियोजन का अर्थ एंव महत्व
15.09.2015	24	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु नियोजन के सिद्धान्त
16.09.2015	15	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन	प्रभावशाली विज्ञापन के सिद्धान्त
18.09.2015	15	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन बजट	विज्ञापन बजट का अर्थ, माप को प्रभावित करने वाले तत्व
19.09.2015				कक्षाध्यापन	
21.09.2015		श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु नियोजन एंव वस्तु विकास का क्षेत्र
22.09.2015	25	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु परिवर्तन निर्णय
23.09.2015	26	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु परिवर्तन निर्णय
24.09.2015	27	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन बजट	विज्ञापन बजट निर्धारण की विधियां
26.09.2015	18	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन अपील	अर्थ, प्रकृति व लक्षण
28.09.2015				मासिक मूल्यांकन	
29.09.2015	28	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नवाचार का अर्थ, नवाचार के कारण	वस्तु नवाचार का अर्थ, नवाचार के कारण

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.कॉम. भाग-तीन	पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१५-२०१६	विषय : ग्रुप 'डी'

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	ग्रुप-प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
01.10.2015	29	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु परित्याग का निर्णय
03.10.2015	30	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वस्तु नियोजन एंव विकास	वस्तु परित्याग निर्णय की अवस्थाएं
05.10.2015	19	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन अपील	विज्ञापन अपील के आधार
06.10.2015	20	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन अपील	विज्ञापन अपील के आधार
07.10.2015				कक्षाध्यापन	
08.10.2015	31	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	परिचय, ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क का अर्थ
09.10.2015	32	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क में अन्तर
10.10.2015	33	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	अच्छे ब्राण्ड की विशेषताएं
14.10.2015	21	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन प्रति	विज्ञापन प्रति का अर्थ एंव लक्षण
15.10.2015	22	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन प्रति	विज्ञापन प्रतियों के प्रकार
16.10.2015				कक्षाध्यापन	
17.10.2015	34	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	पैकेजिंग का अर्थ
19.10.2015	35	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	पैकेजिंग बनाम पैकिंग, पैकेजिगं के उद्देश्य, पैकेजिंग के
					कार्य
28.10.2015	23	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–प्रथम	विज्ञापन प्रति	विज्ञापन प्रति का प्रारूप तैयार करना
29.10.2015	24	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन प्रति	विज्ञापन प्रति का प्रारूप तैयार करना
30.10.2015	25	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन प्रति	एक अच्छी विज्ञापन प्रति के आवश्यक तत्व
31.11.2015				मूल्यांकन	
02.11.2015	36	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	पैकेजिंग के लाभ
03.11.2015	37	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	विक्रय के बाद सेवा का कार्य
04.11.2015	26	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–प्रथम	विज्ञापन के माध्यम	विज्ञापन माध्यम का अर्थ एंव चुनाव
05.11.2015	27	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	विज्ञापन माध्यम के प्रकार(प्रेस विज्ञापन)
06.11.2015	28	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	समाचारपत्रीय विज्ञापन के लाभ व दोष
07.11.2015				कक्षाध्यपन	
14.11.2015	38	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथमा	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	महत्व
16.11.2015	39	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	ध्यान देने योग्य बातें
18.11.2015	29	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–प्रथम	विज्ञापन के माध्यम	पत्रिका विज्ञापन, लाभ व दोष
19.11.2015	30	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	बाह्य विज्ञापन अर्थ एंव साधन
20.11.2015	31	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	बाह्य विज्ञापन के लाभ व दोष
21.11.2015				कक्षाध्यापन	

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.कॉम. भाग-तीन	पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१५-२०१६	विषय : ग्रुप 'डी'

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	ग्रुप-प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
23.11.2015	40	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	ब्राण्ड एंव ट्रेडमार्क	आदर्श विक्रय पश्चात् सेवा प्रणाली के गुण
24.11.2015	41	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	मूल्य	मूल्य का अर्थ एंव उसका विपणन मिश्रण में महत्व
25.11.2015	32	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	डाक द्वारा विज्ञापन अर्थ एंव साधन
26.11.2015	33	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माधम	डाक द्वारा विज्ञापन के लाभ व दोष
27.11.2015	34	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	क्रय–बिन्दु विज्ञापन का अर्थ एंव साधन
28.11.2015				मूल्यांकन	
30.11.2015	42	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	मूल्य	प्रभावित करने वाले घटक
01.12.2014	43	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	मूल्य	मूल्य निर्धारण के उद्देश्य
03.12.2014	35	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन के माध्यम	मनोरंजन एंव अन्य विज्ञापन
07.12.2014	36	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	माध्यम योजना बनाना और सूचीकरण	माध्यम योजना बनाना
08.12.2014	37	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	माध्यम योजना बनाना और सूचीकरण	माध्यम सूचीकरण का अर्थ एवं विधियां
09.12.2014				कक्षाध्यापन	
11.12.2014	44	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	मूल्य	मूल्य नीतियां तथ मूल्य नीतियों में अन्तर
12.12.2014	45	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वितरण माध्यम	वितरण माध्यम विचारधारा
14.12.2014	38	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन में उपभोक्ता उन्मुखता	विज्ञापन में उपभोक्ता–उन्मुखता
15.12.2014	39	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन में उपभोक्ता उन्मुखता	विज्ञापन में उपभोक्ता मूल्यों का विघटन
16.12.2014	40	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	विज्ञापन नीतिशास्त्र से आशय एंव नीतिशास्त्र की
					भूमिका
19.12.2014				कक्षाध्यापन	
21.12.2014	46	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वितरण माध्यम	वितरण माध्यम की भूमिका
22.12.2014	47	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वितरण माध्यम	वितरण माध्यम के प्रकार
28.12.2014	416	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	विज्ञापनों में अनीतिशास्त्रीय आचरण
29.12.2014	42	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	विज्ञापनों में अनीतिशास्त्रीय आचरण
30.12.2015	43	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	विज्ञापन के कानूनी पहलू(कानूनी प्रयास)
31.12.2015				मासिक मूल्यांकन	
01.01.2015	48	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वितरण माध्यम	वितरण माध्यम चुनाव को प्रभावित करने वाले घटक
02.01.2015	49	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	वितरण माध्यम	माध्यम सम्बन्धी निर्णय
04.01.2015	44	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	कानूनी प्रयास
06.01.2015	45	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	आचार संहिता के निर्माण द्वारा सुधार
07.01.2015	46	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन का नैतिक एंव कानूनी पहलू	पूंजी बाजार में सेबी की भूमिका

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.कॉम. भाग-तीन	पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१५-२०१६	विषय : ग्रुप 'डी'

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	ग्रुप-प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
08.01.2016				*कक्षाध्यापन*	
09.01.2016	50	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	थोक विक्रेता के अर्थ एंव उसके कार्य
11.01.2016	51	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	थोक विक्रेता के अर्थ एंव उसके कार्य
12.01.2016	47	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन एंजेन्सी	विज्ञापन एंजेन्सी का अर्थ एंव भूमिका
13.01.2016	48	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन एंजेन्सी	विज्ञापन एंजेन्सी की संरचना
16.01.2016	49	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन एंजन्सी	विज्ञापन एंजेन्सी की संरचना
18.01.2016				कक्षाध्यापन	
19.01.2016	52	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	थोक विक्रेताओं को हटाने के कारण
20.01.2016	53	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	
21.01.2016	50	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय		
22.01.2016	51	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय		
23.01.2016	52	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय		
25.01.2016				कक्षाध्यापन	
27.01.2016	54	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	विपणन में फुटकर विक्रेता से अर्थ
28.01.2016	55	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	महत्व एंव कार्य
29.01.2016	53	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विज्ञापन की प्रभावशीलता का	प्रभावोत्पादकता मापन के ढंग
				मूल्यांकन	
30.01.2016	54	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विक्रय संवर्द्धन	विक्रय संवर्द्धन का अर्थ एंव विज्ञापन में अन्तर
		अतिरिक्त कक्षाएँ–			
	1	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	फुटकर व्यवसाय करने वाले मध्यस्थ का वर्गीकरण
	2	श्री वागीश राज पाण्डेय	डी–प्रथम	थोक एंव फुटकर विक्रेता	फुटकर विक्रेताओ की सेवाएं
	3	डॉ. राजेश शुक्ल	,,	थोक एंव फुटकर विक्रता	निर्माताओं द्वारा फुटकर व्यापार
	4	डॉ. राजेश शुक्ल	,,	वस्तुओं का भौतिक वितरण	अर्थ एंव विपणन जगत में भूमिका
	01	डॉ. राजेश शुक्ल	डी–द्वितीय	विक्रय संवर्द्धन	विक्रय संवर्द्धन के उद्देश्य एंव काय्र व महत्व